



मेरी बड़ी बहन की अन्तर्वासना- 2

“देसी गांड चुदाई कहानी में पढ़ें कि मेरी बहन ने अपनी चूत चुदवाने से बचने के लिए मेरी गांड चुदवा दी. मेरी बहन की चूत उसी दिन पहली बार फटी थी तो दर्द कर रही थी. ...”

Story By: उमा शंकर सिंह (umasingh)

Posted: Tuesday, February 14th, 2023

Categories: [जवान लड़की](#)

Online version: [मेरी बड़ी बहन की अन्तर्वासना- 2](#)

मेरी बड़ी बहन की अन्तर्वासना- 2

देसी गांड चुदाई कहानी में पढ़ें कि मेरी बहन ने अपनी चूत चुदवाने से बचने के लिए मेरी गांड चुदवा दी. मेरी बहन की चूत उसी दिन पहली बार फटी थी तो दर्द कर रही थी.

कहानी के पहले भाग

गन्ने के खेत में बुर फ़ड़वा ली दीदी ने

मैं आपने पढ़ा कि दीदी ने मुझे सेक्स के बारे में काफी कुछ बताया. फिर दीदी ने अपने यार से गन्ने के खेत में अपनी चूत मरवाई.

घर आकर हम नहाने लगे.

नहाने के बाद मेरी बहन ने मुझे मम्मी पापा की चुदाई लाइव दिखाई.

उसके बाद मम्मी पापा से चुद कर बाहर आई और हमें नाश्ता दिया.

अब आगे देसी गांड चुदाई कहानी :

नाश्ता करने के बाद दोनों भाई-बहन स्कूल के लिये चल पड़े।

रास्ते में दीदी ने हंसते हुए पूछा- बाबू समझ गया ना मम्मी क्यों कराहती है ?

और मेरे कंधे पर हाथ रखकर चलने लगी।

मैं भी हंस पड़ा और पूछा- तुमको तो सब पता रहता है, कहां से इतना जान गई तुम ?

उमेश ने सिखाया तुमको ना ?

“नहीं रे, मम्मी को चुदवाते देखकर ही सीखी हूं। वो मूँछों वाले सिपाही अंकल भी मम्मी को चोदते हैं। देखना आज रात को वो जरूर आएंगे।” दीदी ने बताया।

मुझे भी लगा कि दीदी ठीक ही बोल रही है क्योंकि वो मूँछों वाला सिपाही पापा के नहीं रहने पर रात में बाहर वाले रूम में ही होता था। ऐसे भी हमारे घर के काम में मम्मी की मदद करता रहता था, सब्जी और दूध भी वही लाता था।

मैंने पूछा दीदी से- तुमने देखा है क्या ? पापा जानते हैं क्या ?

“नहीं रे, चुदाई की बात दूसरे को थोड़ी बताई जाती है. पापा कैसे जानेंगे ? मैंने बहुत बार देखा है मम्मी को चुदवाते, पापा के साथ और अंकल के साथ। अपने रूम के बीच वाले दरवाजे में छेद है जिससे मम्मी का बिस्तर बिल्कुल साफ नजर आता है.” कह कर दीदी मुस्कुराने लगी।

हम दोनों भाई-बहन के रूम और पापा मम्मी के रूम के बीच एक दरवाजा था जो हमेशा बंद ही रहता था।

“आज तुझे दिखाऊंगी ... लेकिन रात में जागेगा तब ना, लेकिन किसी को बताना मत !” दीदी बोली.

तभी आगे उमेश दिखाई दिया, वो भी स्कूल ही जा रहा था।

हम उसके नज़दीक पहुंचे तो वो हमारे साथ ही चलने लगा।

उमेश ने हम दोनों भाई-बहन को चाकलेट दी और मेरा हाथ पकड़ कर चलने लगा।

वो दीदी को बोला- प्रभा, छोड़ ना आज स्कूल, चल नदी किनारे चलते हैं वहीं पर – बाबू को भी ले चलते हैं। छुट्टी के समय घर लौट जायेंगे।

“तुम न किसी दिन मार खिलाओगे मुझे, किसी ने देख लिया तो पापा मुझे मार ही डालेंगे। नदी पर नहीं, छुट्टी के बाद गन्ने के खेत में ही ठीक रहेगा।” दीदी बोली.

उमेश थोड़ा-सा बिगड़ते हुए बोला- कितनी बार तो गई हो, किसी को पता चला क्या ?

चलो न, पानी में कितना मज़ा आता है। कोई देखेगा तो समझेगा कि हम नहा रहे हैं। और आज तो बाबू भी रहेगा, देखता रहेगा आने वाले को!
मैं समझ गया कि ये दोनों बहुत बार नदी में मिले हैं स्कूल से भाग कर!

उमेश ने मुझसे पूछा- बाबू चलेगा न नदी नहाने, बहुत मज़ा आएगा।
मैंने दीदी की ओर देखा तो उसने आंखें बंद करके अपना सर ऊपर की ओर हिलाया और कहा- चलो।

बस हम बिल्कुल धीरे धीरे चलने लगे।

उमेश बोला- जब सड़क पर सभी स्कूली लड़के पार हो जाएंगे तब हम नदी की तरफ जायेंगे।
ऐसा ही किया हमने!

सड़क जब सुनसान जैसी हो गई तो हम नदी की तरफ चल दिए, नदी सड़क से थोड़ी दूर थी।

जब नदी के पास पहुंचे तो देखा नदी का किनारा बहुत ऊंचा था और नदी में पानी बहुत नीचे था, नदी में उतर जाने के बाद दूर से भी कोई हमें नहीं देख पाता।

हम नीचे उतर कर नदी किनारे बैठ गये।

उमेश ने दीदी की चूची कपड़े के ऊपर से ही दबाना शुरू कर दिया और दीदी के होंठों को चूसने लगा।

दीदी भी उमेश के होंठ चूस रही थी।

जब दोनों के होंठ हटे तब दीदी बोली- आज मुझे मत चोदो, सुबह इतनी जोर से चोदा कि

अभी तक अंदर जलन है। मेरी सील तोड़ दी तुमने जानवर बन कर!

“तुम्हीं ने तो कहा था चूत चोदने को ... और पहली बार ऐसा होता ही है, मैंने तो पहले ही कहा था। अभी बस तेरी गांड में लंड रगड़ लूंगा, कपड़े तो उतार!” उमेश बोला.

“नहीं, आज बाबू की गांड में ही रगड़ दो. मैं लंड को चिकना कर देती हूं।”

ऐसा बोलकर दीदी ने मुझे पैंट खोलने को कहा और खुद उमेश की पैंट खोलने लगी।

उमेश की पैंट खुलते ही उसका लंड उछल कर सीधा खडा हो गया और दीदी ने उसके लंड को हाथ में पकड़ लिया, फिर अपने जीभ से लंड को चाटने लगी।

मैंने अपनी पैंट खोल कर एक तरफ रख दी.

तब उमेश ने मुझे इशारे से अपने पास बुलाया और मेरे छोटे लंड को सहलाने लगा।

दीदी अब उमेश के आधे लंड को अपने मुंह में घुसा कर अन्दर बाहर करने लगी थी।

उमेश मेरी नूनी सहला रहा था और बीच-बीच में मेरे चूतड़ों को भी धीरे धीरे दबा रहा था।

उमेश ने अपने लंड को दीदी के मुंह से निकाल लिया और मेरे मुंह के पास ले आया।

मैंने उमेश की तरफ देखा तो वो बोला- अरे साले, चाट न अपने जीजा का लंड, तेरी दीदी चाटती है तू भी चाट!

तब मैंने एक बार अपनी जीभ से उसके लंड को चाटा तो दीदी के थूक से मेरी जीभ लसलसा गई जो उस पर लगी थी।

नाक में उमेश के लंड की एक अजीब सी गंध आई जो मुझे अच्छी लगी तो मैं आंख बंद कर उमेश के लंड को सूंघने लगा।

उमेश हंसने लगा और बोला- बाबू आ, थोड़ा-सा रगड़ने दे गांड में, तेरी दीदी आज नहीं चुदाएगी उसके बदले तू ही गांड मरा ले।

वह घास पर लेट गया, मुझे भी लिटा लिया और दीदी को भी मेरे साथ लेट जाने बोला।

अब हम तीनों घास पर लेटे थे, मैं बीच में था, एक तरफ दीदी और एक तरफ उमेश।

मेरी पैंट तो खुली ही थी, उमेश ने भी लेटे लेटे अपनी पैंट खोल दी और दीदी की चूची पकड़ कर बोला- कपड़े तो खोल दे रानी, तेरी चूची दबाते हुए बाबू की गांड मारने में मज़ा आएगा।

दीदी उठकर अपनी समीज खोल दी और ब्रा से चूची बाहर कर फिर मेरे साथ लेट गई।

तब दीदी ने मेरा चेहरा अपनी तरफ कर लिया और मेरे मुंह में अपनी एक चूची लगा दी.

मैं तुरंत दीदी की चूची मुंह में लेकर चूसने लगा।

दीदी की दूसरी चूची को उमेश चूसने लगा और उमेश का लंड मेरे चूतड़ों के बीच रगड़ खाने लगा।

थोड़ी देर के बाद उमेश ने अपने मुंह से ढेर सारा थूक निकाला और मेरे चूतड़ों के बीच हाथ से लगा दिया।

अब दीदी को उमेश ने छोड़ दिया था और मेरे कंधे के नीचे हाथ घुसा कर मेरी छाती पर दबाव देकर अपनी तरफ खींच लिया।

मेरे चूतड़ों के बीच उसका लंड थूक में लिपट कर रगड़ खा रहा था.

मैं दीदी की चूची चूसते हुए दीदी की आंखों में देख रहा था, दीदी कभी मुझे देख रही थी कभी उमेश को!

दीदी मेरे सिर को सहला रही थी।

उमेश अब एक हाथ से दीदी की चूची मसल रहा था और मेरे चूतड़ों के बीच अपना लंड

रगड़ रहा था।

फिर दीदी की चूची से हाथ हटा कर उमेश ने एक बार और मेरे चूतड़ों में थूक लगाया।

अब उमेश अपने लंड को हाथ से पकड़ कर मेरे चूतड़ों में रगड़ने लगा, बीच बीच में मेरी गांड के छेद पर अपने लंड की नोक से ठोकर मारता था, फिर दीदी के होठों को चूसने लगता था।

ऐसे ही चल रहा था.

तभी उमेश बोला- बाबू की गांड के अंदर डाल दूं क्या ? मज़ा नहीं आ रहा।

दीदी बोली- नहीं नहीं, बाबू की गांड बहुत छोटी है, अपना लंड नहीं देखते कितना बड़ा है !
“बहुत धीरे धीरे डालूंगा, बाबू को पता भी नहीं चलेगा। तुम चुपचाप देखो।” उमेश बोला.

“लगता है तुम बाबू की गांड भी फाड़ दोगे !” दीदी की आवाज़ में चिन्ता थी।

“कुछ नहीं होगा, बाबू थोड़ा-सा दर्द होगा, बर्दाश्त कर लेना ! मैं एकदम धीरे धीरे गांड में लंड पेलूंगा।”

इतना बोलकर उमेश ने फिर मेरी गांड में थूक लगाया और अपनी उंगली धीरे धीरे मेरी गांड में घुसा दी।

कुछ देर उंगली मेरी गांड में डालता रहा निकालता रहा।

फिर वो दीदी को बोला- जरा सा लंड चूस ले रानी, तब तक बाबू की गांड लंड खाने लायक हो जाएगी।

दीदी उमेश का लंड चूसने लगी और उमेश फिर मेरी गांड में थूक लगा कर उंगली डालने लगा।

मुझे शुरू में हल्का सा दर्द हुआ था जब उंगली घुसी थी, अब पता नहीं चल रहा था।

फिर उमेश ने धीरे धीरे दो उंगलियां मेरी गांड में घुसा दीं और गोल गोल घुमाने लगा। अब थोड़ा सा दर्द हो रहा था मुझे, मैं बोला- दीदी को ही चोद लो, मुझे दर्द हो रहा है।

दीदी तुरंत उमेश का लंड चूसना छोड़ उसका हाथ पकड़ कर मेरी गांड को मुक्त कराई और बोली- चुदवाने का मन तो मेरा भी हो रहा है लेकिन बाबू से चुदवाऊंगी। तुम हटो, मेरी गांड फाड़ दी चूत भी फाड़ दी, अब बाबू की गांड फाड़ने नहीं दूंगी। तुम देखो बैठकर!

तभी दीदी सलवार खोल दी और मुझे अपनी चूत दिखा कर बोली- आ बाबू, चूत चोद मेरी! इतने देर तक के खेल में मेरी नूनी पूरी तनाव में थी।

जैसे ही मैं दीदी के फैले पैरों के बीच बैठकर अपनी नूनी चूत के ऊपर ले गया, गच से मेरी नूनी चूत में घुस गई और मुझे बड़ा आराम लगा। चूत की गर्मी मुझे नूनी पर महसूस हो रही थी।

मैं दीदी की चूची पीने लगा और चूत में नूनी डाल कर चुपचाप दीदी के ऊपर लेट गया।

तभी दीदी ने अपने हाथ में थूक दे कर मेरी गांड में लगाया और अपनी एक उंगली मेरी गांड में डालकर अंदर बाहर करने लगी।

उंगली के साथ मेरी नूनी भी दीदी की चूत में हिलने लगी और मैं आंख बंद करके मजा लेने लगा, एक अजीब सी मस्ती आ रही थी।

दीदी ने पूछा- बाबू, कैसा लग रहा है? दो उंगलियां डाल दूं?

“डाल दो दीदी, मज़ा आ रहा है।” मैंने आंखें बंद किये हुए ही कहा।

दीदी ने अपनी दो उंगलियों में थूक लगा कर धीरे-धीरे मेरी गांड में डाल दी और अंदर-बाहर करने लगी।

पता नहीं दीदी के चूत की गर्मी का अहसास था शायद कि दीदी अब अपनी उंगलियों को

गोल गोल मेरी गांड में घुमा रही थी फिर भी मुझे अच्छा लग रहा था ।

थोड़ी देर बाद दीदी बोली- अब उमेश का लंड आराम से घुस सकता है । बाबू लंड लेगा गांड में ? तुम मेरी चूत चोदते रहो बाबू, उमेश तेरी गांड मार लेगा ।

उमेश आ गया हमारे पास, दीदी की चूची मसलकर बोला- इसीलिए तो तू मेरी जान है, कितना ख्याल रखती है सबका ! तू ही थूक लगा बाबू के गांड में, मैं लंड घुसाता हूं ।

दीदी ने मेरी गांड के छेद पर थूक लगा दिया और उमेश के लंड को तो थूक से पूरा गीला कर दिया ।

अब उमेश ने अपना लंड हाथ से पकड़ कर मेरी गांड के छेद पर जोर डाला, लंड का अगला हिस्सा मेरी गांड में घुसा तो मैं छटपटाया.

लेकिन दीदी ने मुझे चूमना शुरू कर दिया और उमेश बस सुपारा घुसा कर रूक गया ।

उसने थोड़ी देर बाद सुपारा निकाल के फिर घुसा दिया.

ऐसे ही करते करते उमेश ने अपना आधा लंड मेरी गांड में घुसा दिया और दीदी की चूचियों को मसलते हुए मेरी गांड में अपना लंड अन्दर बाहर करने लगा ।

दीदी मेरे होंठों को चूस रही थी, मैं दीदी की चूत में नूनी घुसाए दीदी के ऊपर लेटा था और उमेश ने अपने दोनों हाथों से मुझे जकड़ रखा था हथेलियों से दीदी की चूचियां मसल रहा था ।

तभी दीदी बोली- उमेश, जल्दी करो ना, तुम दोनों के नीचे मैं पिसती जा रही हूं । बाबू कैसा लग रहा है ? ज्यादा दर्द नहीं हो रहा ना ?

मैं कसमसाते हुए बोला- दर्द तो हो रहा है लेकिन अच्छा लग रहा है मेरी नूनी को । उमेश

का लंड बहुत बड़ा है, इसको बोलो पूरा नहीं घुसाएगा।

उमेश बोला- आज आधे लंड से ही करूंगा, दो तीन बार और गांड मराओगे तब पूरा लंड घुसा कर मारूंगा। प्रभा, अब बाबू को छोड़ देते हैं, फिर कल और थोड़ा सा ज्यादा डालूंगा। क्या बोलती हो ?

दीदी बोली- हां, छोड़ दो अब बाबू को ! अपना लंड अब मेरी गांड में या चूत में डाल लो लेकिन चूत में धीरे धीरे करना, सुबह से जल रही है।

“चूत चुदवाने से ही जलन खत्म होगी ना जान !” बोलते हुए उमेश ने मेरी गांड में से लंड निकाल लिया, मुझे बीच से हटा दिया और अपने लंड को फिर थूक से गीला करके दीदी की चूत में धीरे धीरे डालने लगा।

मैं दीदी की चूत के पास चेहरा करके देख रहा था।

उमेश अपना पूरा लंड दीदी के चूत में घुसा दिया था लेकिन अंदर बाहर नहीं कर रहा था।

फिर मैंने उठकर दीदी को देखा तो वो उमेश की छाती को दोनों हाथों से धक्का दे रही थी और उसकी आंखें फैल गयीं थी।

वो बोल रही थी- हटो हटो ... मैं बोली थी नहीं करने को ! तुमको तो बस अपने मजे से मतलब है दूसरे को दर्द हो तो हो। मत करो ना ... और लंड का पानी तो अंदर बिल्कुल मत डालना नहीं तो बच्चा ठहर जाएगा।

उमेश बोला- पानी तो अंदर ही गिराऊंगा, चल पलटी हो जा ... गांड में गिराता हूं।

बोलकर उमेश ने तीन चार बार दीदी की चूत में ही लंड अंदर बाहर किया फिर निकाल लिया।

उसने दीदी को पेट के बल लिटा दिया और उसकी गांड में थूक लगाया, अपने लंड पर भी

थूक लगाया और मेरी तरफ देखकर बोला- देखो बाबू, जैसे प्रभा की गांड में जा रहा है ना वैसे ही तुम्हारी गांड में भी चला जाएगा। इसकी गांड में भी चार बार किया तब पूरा घुसा। अब इसको दर्द नहीं होता, चूत भी फैल जाएगी तो खूब चुदाएगी।

मैं देख रहा था, उमेश ने बड़े आराम से दीदी की गांड में अपना पूरा लंड डाल दिया और फिर नीचे हाथ घुसा कर दीदी की चूचियों को मसलने लगा।

फिर तो इतनी तेजी से अपनी कमर आगे पीछे करके दीदी की गांड मारी कि दीदी चिल्ला पड़ी- अरे साले, धीरे कर ना, मैं भाग रही हूं क्या? हमेशा ऐसे ही करता है जानवर की तरह!

“ऐसे ही मजा आता है रानी! और तुम थोड़ी देर के लिए तो मिलती हो तो आराम से कैसे होगा!” बोलकर उमेश ने दीदी की चूचियों को दबा कर पकड़ लिया और आंखें बन्द करके अपनी कमर बिल्कुल धीरे धीरे चलाने लगा।

फिर दीदी के ऊपर ही चुपचाप लेट गया।

दीदी की भी आंखें बन्द हो गयीं थी।

फिर उमेश ने अपना लंड दीदी की गांड से निकाल लिया, देसी गांड चुदाई के बाद दीदी की गांड से सफेद पानी निकल रहा था।

दीदी पलट कर फिर उमेश को अपने उपर खींच ली और बोली- समय ज्यादा मिलेगा तो आराम से चूत चोदोगे ना?

उमेश दीदी की चूत में उंगली डालते हुए बोला- कम से कम तीन चार घंटे लगेंगे आराम से चोदने के लिए। कैसे होगा?

“कल इतवार है, पापा बाहर गए हैं. मैं बाबू के साथ आ जाऊंगी चार घंटे के लिए ... लेकिन कहां चोदोगे? दीदी ने पूछा.

उमेश ने दीदी के गाल पर चुम्मा लिया और बोला- अपने स्कूल में ही आ जाना, कल तो कोई रहेगा नहीं। आ सकोगी स्कूल में ?

“स्कूल नहीं, दूर है ... और मम्मी को क्या बोलूंगी ? और कहीं नहीं है जगह ?” दीदी बोली.

तब उमेश सोचता हुआ बोला- गांव के किनारे मेरे दोस्त का घर है, उसके यहां अभी सिर्फ उसके पापा हैं। उसके पापा तो सुबह खाकर खेत पर चले जाते हैं। उसके यहां हो सकता है लेकिन वो भी चोदने बोलेगा तब ?

“उसी के यहां मिलते हैं दस बजे, चोदने बोलेगा तो बाबू भी तो रहेगा।” और दीदी हंसने लगी।

तब उमेश बोला- बाबू को उसी के यहां से गुड़ का रावा दिला देंगे ढेर सारा। कल खूब देर तक चोदूंगा धीरे धीरे ! पहले बाबू चोदेगा फिर मैं चोदूंगा आज ही की तरह !

बस प्रोग्राम बन गया।

हमने कपड़े पहने और फिर वहीं बैठ गये।

दीदी बोली- छुट्टी की घंटी बजेगी तो आवाज आएगी यहां, तब घर जाएंगे। नहीं तो मम्मी पूछेगी तो क्या बोलेंगे ?

तभी तीसरी घंटी बज गयी स्कूल में !

उमेश बोला- चल ना नहाते हैं नदी में, तब तक छुट्टी की घंटी बज जाएगी।

दीदी बोली- हम लोग नहा कर आए हैं, तुम नहाओ। बाबू जाएगा तो ले जाओ।

उमेश मेरा हाथ पकड़ कर बोला- चल बाबू, आज नदी का भी मजा ले ले।

मैं उठ कर खड़ा हो गया.

उमेश ने अपने सारे कपड़े खोल दिए और मुझे भी खोलने बोला।

मैंने भी अपने कपड़े उतार दिए। उमेश मेरी उंगली पकड़कर नदी के अंदर ले गया। इतनी दूर ले गया कि मेरा पेट पानी में डूब गया था।

वहां मुझे डूबकी लगवाई फिर खुद भी खुद भी डूबकी लगाई।
तब वो हंसते हुए बोला- प्रभा तो मेरे साथ गर्दन तक पानी में खड़े होकर गांड मराती है।

मैंने आश्चर्य से पूछा- खड़े खड़े ?

“हां, कल देखना, तेरी दीदी कैसे कैसे चुदाएगी। मेरे दोस्त का लंड छोटा-सा है, अगर वो तेरी गांड मारेगा तो मारने देना। तुम्हें दर्द नहीं होगा, उतना रास्ता तो बन गया है कि उसके लंड से तुम आराम से कर लोगे। आओ थोड़ा-सा और रास्ता बना दूं कि तुम्हें फिर दर्द नहीं होगा।” उमेश ने पानी में झुक कर मेरे चूतड़ों को पकड़ कर कहा।

मैंने एक बार दीदी की तरफ देखा तो वो अपने घुटनों पर टुड्डी रखे हम दोनों को ही देख रही थी।

उमेश ने पानी के अंदर ही मेरी गांड में दो उंगलियां घुसा दी।

अभी मेरी गांड तुरंत पहले मारी थी तो उमेश की उंगलियों आसानी से घुस गई और मुझे दर्द भी नहीं हुआ।

उमेश पानी में बैठ गया था और मेरे गालों पर चुम्मा ले लेकर गांड में उंगली चलाने लगा था।

फिर वो मेरे हाथ पकड़ कर अपने लंड पर ले गया और लंड को आगे पीछे करने बोला।
मैं करने लगा।

और वो मेरी गांड में उंगली गोल गोल घुमाने लगा।

उसका ढीला लंड मेरे हाथ में धीरे धीरे बड़ा होने लगा और मेरी मुट्ठी के बाहर होने लगा।

मैं बोला- मेरी नूनी भी तुम्हारे लंड जैसा हो जाएगा तो मैं भी गांड मारूंगा ना ? तेरा बहुत बड़ा है, तुम्हारे दोस्त का छोटा है ना ?

“हां बाबू, देख लेना कल ! लेकिन वो तेरी दीदी को चोदेगा जरूर, गांड तो लड़कों से मिल जाती है लेकिन लड़की की चूत मुश्किल से मिलती है । कितना मनाया तेरी दीदी को ... तीन महीने से ! अब जाकर चूत दी है । अब चुदाती रहेगी लंड खोज खोज कर ! चूत चुदाने में लड़कियों को भी मज़ा आता है . बस एक बार मज़ा मिलने की देर है कि फिर बिना चुदाए रह नहीं पाती । समझा ? चलो अब बाहर, एक बार और गांड मारने दो !” बोलते हुए उमेश मेरा हाथ पकड़ कर नदी से निकाला और घास पर साथ में लिटा लिया ।

दीदी टुकुर टुकुर हमें देख रही थी ।

उमेश ने मुझे करवट करके मेरी गांड में अपना लंड सटा दिया ; फिर थूक लगा कर धीरे-धीरे अपने लंड को मेरी गांड में घुसा दिया ।

आधा लंड तो आराम से घुस गया.

उमेश उतने से ही अंदर बाहर करने लगा और थोड़ी देर बाद जोर लगा कर थोड़ा सा और घुसा दिया ।

देसी गांड चुदाई में दर्द से मैं ऊपर की तरफ उचका लेकिन उमेश ने मुझे कस के पकड़ रखा था ।

कुछ देर तक लंड घुसाए चुपचाप लेटा रहा, फिर धीरे धीरे करने लगा ।

दीदी पास में बैठी मेरा सिर सहला रही थी, बोली- छोड़ दो न उमेश, कितना मन करता है तेरा !

“बस हो गया, आज बाबू की गांड भी साफ हो गई, कल पूरा लंड घुस जाएगा ।” बोलते हुए उमेश ने फिर एक बार जोर से अपना लंड घुसाया.

और मुझे अपनी गांड में पिचकारी जैसे पानी गिरता महसूस हुआ।
चार पांच पिचकारी के बाद उमेश ने अपना लंड निकाल लिया।

दीदी ने मेरी गांड हाथ से पौँछते हुए कहा- नदी में धो ले बाबू और कपड़े पहन कर घर
चल। ये तो दिन भर करता रहेगा। इसको खाली यही सूझता है।

मैंने नदी के पानी से गांड धोई और कपड़े पहन लिए।

तभी चौथी घंटी बजी स्कूल की।

दीदी बोली- चलो, मम्मी को बोल देंगे कि एक घंटी पहले ही छुट्टी हो गई।

हमने अपने-अपने बस्ते उठाए और घर चल दिए।

ये तो मेरा पहला दिन था गांड मरवाने का!

और मैं समझ गया था कि दीदी ने अपनी चूत चुदाने के लिए मेरी भी गांड मरवा दी।

पाठको, मेरी यह कहानी कई भागों में आयेगी. आप पढ़कर मजा लें और कमेंट्स, मेल
करते रहे कि देसी गांड चुदाई कहानी कैसी लग रही है.

umasingh1113@gmail.com

देसी गांड चुदाई कहानी का अगला भाग : [मेरी बड़ी बहन की अन्तर्वासना- 3](#)

Other stories you may be interested in

चलती बस में कमसिन लौंडिया की गांड मारी- 2

बस सेक्स हिंदी सेक्स कहानी में मैंने चलती बस में एक जवान देसी लड़की को पटा कर उसकी गांड मारी. बस लगभग खाली ही थी तो हमें मौका मिल गया था. फ्रेंड्स, मैं रोहित अरोरा आप सभी को चलती बस [...]

[Full Story >>>](#)

मेरी बड़ी बहन की अन्तर्वासना- 3

हॉट मॉम लाइव सेक्स कहानी में मैंने अपनी सेक्सी देसी मम्मी को पापा के दोस्त से चुदाई करवाते देखा. मेरी दीदी भी उनको सेक्स करते अक्सर देखती थी. उसी ने मुझे दिखाया. कहानी के पिछले भाग मेरी बहन ने मुझे [...]

[Full Story >>>](#)

चलती बस में कमसिन लौंडिया की गांड मारी- 1

हॉट गर्ल सेक्सी हिंदी कहानी में पढ़ें कि कैसे मुझे बस स्टैंड पर एक माँ बेटी मिली. हम एक ही बस में चढ़े. लड़की के बड़े बड़े चूचे बता रहे थे कि लड़की चालू है. फ्रेंड्स, मैं आपका दोस्त रोहित अरोरा [...]

[Full Story >>>](#)

पुरानी साथी बनी बिस्तर पर साथी

Xxx लव फक्र स्टोरी में पढ़ें कि मेरी पुरानी क्लासमेट जिसे मैं तब पसंद करता था, उसने मुझे नेट पर खोज कर दोस्ती का हाथ बढ़ाया. तब मुझे पता लगा कि वो भी मुझे चाहती थी. आखिरकार उस होटल तक [...]

[Full Story >>>](#)

मेरी बड़ी बहन की अन्तर्वासना- 1

खेत में चुदाई करवा ली मेरी दीदी ने! हम दोनों सुबह सवेरे हगने गए थे तो दीदी गन्ने के खेत में घुस गयी. मैं बाहर बैठ गया. तभी दीदी के चीखने की आवाज आई. बहुत दिनों से कहानियां पढ़ रहा [...]

[Full Story >>>](#)

